एक नजर में

सकल जैन समाज की मांग पर तत्परता

भीकनगांव, निप्र। सकल जैन समाज की धार्मिक भावनाओं और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। रीवा मामले की निष्पक्ष जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप मिश्रा के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) का गठन कर दिया गया है।इसके लिए भीकनगांव जैन समाज ने वरिष्ठ नेतृत्व तथा शासन का आभार व्यक्त किया है दिगम्बर जैन महासभा के अध्यक्ष पारस कासलीवाल व भारतीय जैन संगठना के अध्यक्ष अरविन्द जैन ने कहा कि इस पूरे मामले में श्री नवीन जी गोधा ने कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश जी विजयवर्गीय से विशेष आग्रह किया था। इस आग्रह पर तुरंत संज्ञान लेते हुए प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने बिना किसी देरी के स्ढ्ढञ्ज टीम गठित करने के निर्देश दिए। सरकार ने सकल जैन समाज को पूर्ण रूप से आश्वस्त किया है कि मामले की पूरी तरह निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी। इस त्वरित और ठोस कार्रवाई के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री आनंद गोधा एवं श्री नवीन गोधा ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय का सहृदय बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया है। विदित हो कि इस घटना के विरोध में और न्याय की मांग को लेकर कल देशभर के जैन समाज द्वारा मौन प्रदर्शन (मौन जुलूस) आयोजित किया गया। पूरे देश से समाज जनों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी एकजुटता दिखाई, जिसके बाद प्रशासन और सरकार ने यह त्वरित निर्णय लिया है। सकल जैन समाज इस निष्पक्ष जांच के फैसले का स्वागत करता है।

बाल लीलाओं की झांकियों और छप्पन भोग से गूंजा आयोजन

बड़वाह, निप्र। बड़वाह में पुरुषोत्तम माह के आध्यात्मिक महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नार्मदीय ब्राह्मण महिला मंडल बड़वाह इकाई द्वारा 'वृंदावन 'एक शाम कृष्ण भक्ति के नाम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं और श्रद्धा भाव से छप्पन भोग अर्पित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 बजे मां नर्मदा और गुरुजी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर महासभा अध्यक्ष श्रीमती शीतल डोंगरे, मुख्य अतिथि श्रीमती अंतिम बाला गीते सर्वब्रमाह्मण समाज अध्यक्ष श्रीमती भारती व्यास लोकगीत गायिका श्रीमती मनीषा शास्त्री, मंडलेश्वर नार्मदीय ब्राम्हण समाज अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका शर्मा बड़वाह इकाई अध्यक्ष सुश्री आशा खेड़े की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समाज की महिलाओं ने पुष्पमालाओं से अतिथियों का स्वागत कर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम की सबसे विशेष प्रस्तुति भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित झाकियां रही जिसमें श्री कृष्णा जीवन प्रसंगों पर आधारित नौ झलकियां थी जन्म से लेकर महारास तक की, जिन्होंने उपस्थित जनों को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भगवान को समर्पित छप्पन भोग विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इस दौरान पुरुषोत्तम माह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अंतिमबाला गीते दीदी ने बताया कि यह माह भक्ति, सेवा, संयम और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक माना जाता है। महिलाओं को धार्मिक और सामाजिक मूल्यों से जुड़ने का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, लोकगीत गायिका, काव्य समिति के सदस्य एवं समाजजन उपस्थित रहे।

पानी तक पहुंचने के लिए लगाई सीढ़ी

भीकनगांव, निप्र। 45 डिग्री तापमान। आग उगलता सूरज। और घरों में दुबके लोग। भीषण गर्मी के बीच इन दिनों हालात कुछ ऐसे ही है। मगर कुछ ठेठ ग्रामीण इलाकें ऐसे भी हैं जहां चिलचिलाती धूप में बूंद-बूंद पानी के लिए रहवासियों को भटकना पड़ रहा है। आलम यह है कि कुछ जगह जो जान को जोखिम में डालकर पीने के पानी का बंदोबस्त हो रहा है। लाचारी, बेबसी और संघर्ष की यह बानगी इन दिनों भीकनगांव क्षेत्र की ग्राम पंचायत काझर के तहत आने वाले ग्राम हाड़ीकुडी से लगे सिगाडिया फालिया क्षेत्र में देखी जा सकती है। करीब 150 की आबादी वाले इस क्षेत्र में पानी का क्या मोल है, यह बच्चा-बच्चा बता सकता है। लगभग 25 से अधिक आदिवासी परिवारों वाले इस इलाके में रहवासी पानी की जरूरत के लिए अधूरे कुएं और झिरियों के भरोसे जीवन जी रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि लोगों को 20 से 25 फीट नीचे झिरी में लकड़ी की सीढ़ी लगाकर जोखिम उठाते हुए पानी भरना पड़ रहा है। शासन की योजनाओं और विकास के दावों के बीच सिगाडिया फालिया की यह तस्वीर कई सवाल खड़े करती है। पत्रिका ने सोमवार को क्षेत्र की पड़ताल की तो बच्चे झिरी में सीढ़ी के सहारे उतरते नजर आए। एक बालक नीचे जमा पानी में से बर्तनभरकर दूसरे को देता नजर आया। रहवासी बताते हैं कि गांव में केवल एक हेडपंप है, जो नवंबर-दिसंबर तक ही पानी देता है। इसके बाद पूरा फालिया पानी के लिए कुएं और प्राकृतिक जलस्रोतों पर निर्भर हो जाता है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि ग्रामीणों को अधूरे कुएं में लकड़ी की अस्थायी सीढ़ी के सहारे नीचे उतरकर पानी निकालना पड़ता है। ग्रामीण राहुल राठौड़, हरिओम राठौड़ ने बताया यहां बिजलवाड़ा सिंचाई परियोजना के अधूरे पाइप पड़े हैं। यदि 7 से 8 पाइप और जोड़ दिए जाएं, तो नाले का पानी इस क्षेत्र तक पहुंच सकता है और वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान हो सकता है।

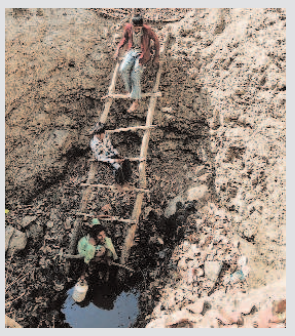

पानी की गंभीर समस्या झेल रहे कॉलोनीवासियों ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

कसरावद, निप्र। नगर परिषद कसरावद की लापरवाही के खिलाफ हरिसिद्ध धाम कॉलोनी के रहवासियों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है। पिछले चार वर्षों से पानी की गंभीर समस्या झेल रहे कॉलोनीवासियों ने सीएमओ को ज्ञापन सौंपते हुए साफ चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर नगर परिषद नल कनेक्शन एवं पेयजल समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा ॥ सबसे बड़ा सवाल कॉलोनीवासियों ने यह उठाया कि जब वे नियमित रूप से नगर परिषद को समस्त टैक्स — भूमिकर, स्वच्छता कर, बिजली बिल सहित अन्य करों का भुगतान कर रहे हैं और जलकर देने के लिए भी तैयार हैं, तो फिर उन्हें पानी जैसी मूलभूत सुविधा से आखिर क्यों वंचित रखा जा रहा है। अखिल भारतीय बलाई महासभा के जिला अध्यक्ष रविन्द्र भालसे ने कहा कि नगर परिषद उनसे हर प्रकार का टैक्स वसूल रही है, लेकिन बदले में मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं करा पा रही। इससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कॉलोनीवासियों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद द्वारा अन्य क्षेत्रों में पानी सप्लाई की जा रही है, यहां तक कि नगर सीमा से बाहर तक पाइपलाइन पहुंच चुकी है, लेकिन हरिसिद्ध धाम कॉलोनी को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि पूरी कॉलोनी केवल एक कुए के सहारे है, जो गर्मी में जवाब दे देता है। कई बार शिकायतें, आवेदन और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने के बावजूद आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। सीएमओ ने रहवासियों को तीन दिन में समस्या समाधान का आश्वासन दिया है। वहीं कॉलोनीवासियों ने साफ कहा है कि यदि तय समय में कार्य शुरू नहीं हुआ तो नगर परिषद कार्यालय का घेराव, धरना-प्रदर्शन और उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि एसडीएम सत्येंद्र बेरवा एवं तहसीलदार मचार को भी भेजी गई है। अब पूरे शहर की नजर इस बात पर है कि नगर परिषद तीन दिन में पानी पहुंचाती है या फिर यह मामला बड़े जनआक्रोश में बदलता है। ज्ञापन में हरसिद्धिधाम कॉलोनी के हेमेंद्र सिंह ठाकुर, मनोहर सांवले, किशोर गांगले, अभिषेक शुक्ला, अभिषेक अत्रे, अजय कसेरा, दीपक सोलंकी, अतुल सक्सेना, राधेश्याम चौहान, प्रेमलाल बागदरे, भगवान सोलंकी, अनिल भालसे, मोहन राठौर, शिशुपालसिंह चौहान, महेश पीपलदे, दिनेश सिसौदिया, सौरभ पटेल, चेतन एक्कल, प्रकाश सोनी, संतोष चौहान, जयेश चौहान, नितिन वर्मा, शिव सर, अजय कर्मा सहित सभी कॉलोनीवासी उपस्थित थे।

नाबालिग को पुलिस ने किया सकुशल बरामद

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से लौटी परिवार की मुस्कान

नवभारत न्यूज

कसरावद, निप्र। पुलिस की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई के चलते एक नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन (ग्रामीण) अनुराग द्वारा नाबालिगों से संबंधित अपहरण के प्रकरणों में अधिक से अधिक बरामदगी करने के लिए निर्देशित किया गया था। इसके परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन रविन्द्र वर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शकुंतला रुहल के द्वारा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व थाना प्रभारियों को नाबालिगों की बरामदगी के लिए निर्देशित किया।

निर्देशों के पालन में एसडीओपी श्वेता शुक्ला अनुविभाग मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में निरीक्षक राजेन्द्र बर्मन थाना प्रभारी कसरावद को नाबालिग बालिका की दस्तयाबी करने में सफलता हासिल हुई है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए नाबालिक बालिका को सकुशल दस्तयाब किया। 2 मई को फरियादी की सूचना पर नाबालिग बालिका उम्र 15 वर्ष 05 माह को अपहृत कर ले जाने के संबंध में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 155/26 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था विवेचना

के दौरान अपहृता बालिका की तलाश लगातार की जा रही थी किन्तु अपहृता के संबंध में कोई ठोस जानकारी प्राप्त नहीं हो रही थी बाद सोमवार को अपहर्ता अपने माता के साथ तलब करने उपस्थित हुई जिसे पंचानों के समक्ष सकुशल दस्तयाब किया गया बाद घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ बालिका और उसके परिजनों के विस्तृत कथन दर्ज किए गए हैं। बालिका ने अपने कथनों में किसी भी प्रकार के अपराध के घटित होने से इनकार किया है, जिसकी पुष्टि परिजनों ने भी की है। वैधानिक प्रक्रिया के पश्चात बालिका को उसके परिवार को सौंपकर उनके चेहरे पर मुस्कान लौटाई गई। पुलिस थाना कसरावद में बीएनएस एवं 5एल/6 पॉक्सो में फरार आरोपी अर्जुन उर्फ बंटी पिता पटेल राठौर जाति बंजारा उम्र 19 वर्ष निवासी नर्सरी कालोनी डाबली थाना लसूड़िया जिला इन्दौर जो फरार चल रहा था जिसकी तलाश पतारसी जारी थी बाद मुखबिर की सूचना पर आरोपी अर्जुन को इन्दौर से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

इनका मिला मार्गदर्शन

प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी मण्डलेश्वर श्वेता शुक्ला के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी कसरावद निरीक्षक राजेन्द्र बर्मन के नेतृत्व में उनि रीना एक्का, उनि महेश यादव चौकी प्रभारी खामखेड़ा, प्रआर. 659 महेश मालवीय, आर. 760 हरिओम कौशिक, आर. 605 बुदन कटारे, आर. 460 राकेश चौहान एवं म.आर. 1002 रेखा मुवेल, म. आर. 897 वंदना भदौरिया का विशेष योगदान रहा।

शिविर में बालिकाएं सीखें आत्मरक्षा के गुर . . .

मंडलेश्वर, निप्र। बालिकाएं निडर रहे साहसी बने और विपरीत परिस्थितियों में भी संयमित रहकर विपत्ति का डटकर मुकाबला कर सके तभी भारत की नारी सबला बनेगी इसी भाव के साथ मंडलेश्वर के श्री जूना श्रीराम मंदिर में बालिकाओं के लिए सात दिवसीय आत्मरक्षा शिविर लगाया गए जिसमे 52 बालिकाओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे।

जूना श्रीराम मंदिर के श्रीसीताराम शिव संकल्प संस्थानम और श्रीवैदेही सेवा प्रकल्प द्वारा आयोजित इस सफल शिविर का समापन समारोह पूर्वक किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री राजकुमार मेव ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि आज का सामाजिक परिवेश बड़ा चुनौती पूर्ण हैं विशेष कर महिलाओं और बालिकाओं कि सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती हैं इसलिए महिलाओं और बालिकाओं कों अपनी सुरक्षा के लिए स्वयं को तैयार रखना चाहिए इसके लिए उन्हें आत्मरक्षा के कुछ आवश्यक गुर सीखना चाहिए ताकि किसी विपत्ति में वे खुद को बचा सके। श्री वैदेही सेवा प्रकल्प कि अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पाटीदार, अर्चना पाटीदार, मनोरमा चौरे, मालती बडोले नलिनी व्यास ने अतिथियों का स्वागत किया।

पंडित पंकज मेहता ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी को शक्ति का रूप माना जाता हैं आज के बदलते सामाजिक परिवेश में नारी सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा हैं इसलिए महिलाओ

और बालिकाओं कि सुरक्षा के लिए उन्हें आत्मरक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण तकनीक का ज्ञान होना चाहिए इस हेतु बिना हथियार के स्वयं को बचाने के तरीको के साथ साथ जुडो कराटे मार्शल आर्ट जैसी विधाओं के कुछ टिप्स जरूर सिख लेना चाहिए।

दुग्ध उत्पादकों के लिए उपयोगी जानकारी, साईलेज और गोरस एप से बढ़ेगा दुग्ध उत्पादन

खरगोन, निप्र। दुग्ध उत्पादकों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से पशु पालन एवं डेयरी विभाग तथा सांची दुग्ध संघ के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 26 मई 2026 को दुग्ध सहकारी संस्था कदवाली, विकासखंड भगवानपुरा में आयोजित हुई।

कार्यशाला में दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को साईलेज निर्माण एवं उसके वैज्ञानिक उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। साईलेज के नियमित एवं संतुलित उपयोग से दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होता है तथा दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। साथ ही गोरस एप के माध्यम से पशुओं को आवश्यक मात्रा में चारा, दाना, खनिज लवण एवं संतुलित आहार देने की विधि समझाई गई, जिससे उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत भी कम की जा सकती है। कार्यशाला में पशुपालन विभाग से डॉ. एच.सी. पटेल, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ द्वारा साईलेज एवं गोरस एप की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। वहीं डी.पी. त्यागी, प्रबंधक दुग्ध संघ ने ई-प्लेटफार्म के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को उपलब्ध सुविधाओं एवं उनके लाभों की जानकारी दी। कार्यशाला के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों में आधुनिक तकनीक अपनाने के प्रति जागरूकता बढ़ी और उन्हें दुग्ध उत्पादन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने की दिशा में मार्गदर्शन दिया।

राहवीरों को प्रशस्ति पत्र-प्रोत्साहन राशि प्रदान कर किया सम्मानित

खरगोन, निप्र। केंद्र सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में मौत की संख्या में कमी लाने एवं गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राहवीर योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर के दौरान तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले नागरिकों को मंगलवार एसपी रविंद्र वर्मा ने सम्मानित किया।

राहवीरों को एसपी कार्यालय में 25 हजार की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। एसपी कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार वर्ष 2025 में घटित विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने वाले नागरिकों के प्रस्ताव राहवीर योजना अंतर्गत परिवहन विभाग को भेजे गए थे। चयनित राहवीरों दिनेश पिता घनश्याम कोहली निवासी महुमांडली थाना बिस्टान, ब्रजेश पिता रेवाराम यादव निवासी बड़वाह एवं राजेन्द्र पिता नानुराम जायसवाल निवासी सैलानी को सम्मानित किया गया।

डॉक्टरों की कमी से मरीज परेशान

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीने का पानी तक नहीं

कसरावद, निप्र। शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था अब जनता के लिए अभिशाप बनती जा रही है। करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद अस्पताल में डॉक्टरों का अकाल है और जिम्मेदार अधिकारी द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं। हालत यह है कि 2 लाख के लगभग की आबादी का इलाज सिर्फ 2 डॉक्टरों के भरोसे चल रहा है।

अस्पताल में स्वीकृत पदों के मुकाबले अधिकांश डॉक्टर लंबे समय से नदारत हैं। रोजाना भारी संख्या में मरीज ओपीडी पहुंच रहे हैं, बताया जा रहा है कि सरकारी अस्पताल में कुत्ते के काटने का एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है। रोजाना कुत्ते काटने के केस आ रहे हैं। वहीं बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी के बावजूद अस्पताल

में आने- वाले मरीज को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। 12 बजे तक मरीजों एवं उनके परिजनों की सुध लेने वाला कोई नहीं था। अस्पताल में साफ सफाई को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। डॉक्टरों की कमी के कारण लोगों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। कई मरीजों का नंबर 2 से 3 घंटे बाद आ रहा है। सबसे गंभीर स्थिति रात के समय इमरजेंसी सेवाओं की है। बताया जा रहा है रात में डॉक्टर नहीं मिलने के कारण गंभीर मरीजों को खरगोन और इंदौर रेफर किया जा रहा है। प्रसूता महिलाओं और बच्चों को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल की अव्यवस्थाओं, डॉक्टरों की अनुपस्थिति और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के बाद भी अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।

गौवंश तस्करी के आदतन अपराधी आशिक मंसूरी पर एनएसए की कार्रवाई

खरगोन, निप्र। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए आदतन अपराधियों, सक्रिय गुंडे.बदमाशों एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। गौवंश परिवहन पर जीरो टोलरेंस नीति के तहत थाना गोगावां क्षेत्र निवासी और अवैध गौवंश तस्करी के मामलों में लिप्त आदतन अपराधी आशिक पिता हबीब मंसुरी निवासी देवलगांव घुघरियाखेड़ी के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई है।

मंगलवार को एसपी रविंद्र वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आशिक मंसुरी के विरुद्ध लगातार गौवंश तस्करी और अन्य अपराधों में संलिप्तता पाए जाने पर जिला दण्डाधिकारी को

प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था। उक्त प्रतिवेदन के आधार पर जिला दण्डाधिकारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून 1980 की धारा 3 (2) के अंतर्गत आरोप लगाने वाला के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए आदेश पारित किया है। आशिक मंसुरी के विरुद्ध पूर्व में थाना गोगावां में गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, पशु क्रुरता अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कई अपराध पंजीबद्ध हैं। इनमें वर्ष 2018, 2019, 2024, 2025 और 2026 के प्रकरण शामिल हैं। उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों और क्षेत्र में कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यह कठोर कार्रवाई की गई है।

एक नजर में — प्रशासन की तत्परता से बची सार्वजनिक उपयोग की जमीन, गांव के पानी निकासी के लिए किया जाएगा नाली निर्माण

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाले उपसरपंच का हटाया अवैध कब्जा

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। जिले की कसरावद तहसील के ग्राम बामखल में यादव समाज के सामुदायिक भवन से लगी सार्वजनिक उपयोग की शासकीय भूमि से प्रशासन ने उप सरपंच श्यामलाल यादव का अवैध कब्जा हटा दिया है। उप सरपंच ने शासकीय भूमि पर पक्की दीवार बनाकर शेड का निर्माण कर लिया था। शनिवार को तहसीलदार मुकेश मचार और राजस्व विभाग के दल ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर शेड हटवाकर दीवार भी तोड़ दी।

अतिक्रमणकारी श्यामलाल और उसके परिवार के लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया और अमले के साथ दुर्व्यवहार भी किया। किंतु अधिकारियों ने सूझबूझ से काम लिया। तहसीलदार के निर्देशन में राजस्व निरीक्षक अनिल नरगावे और पटवारियों के दल ने शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया। प्रशासन की तत्परता से सार्वजनिक उपयोग की यह जमीन बचाई गई। उप सरपंच ने पद का दुरुपयोग करते हुए सार्वजनिक उपयोग की इस भूमि को कब्जे में लेकर धीरे-धीरे निर्माण शुरू कर दिया था। इससे गांव के मुख्य मार्ग और आसपास के घरों का बारिश का पानी भी रुकने लगा। सामुदायिक भवन की भोजनशाला से निकलने वाला पानी भी बाहर ही जमा होने

लगा। इससे सड़ांध पैदा होने लगी। आसपास के घरों में बदबू फैलने लगी। पानी निकासी अवरुद्ध होने के कारण पीड़ित और प्रभावित रहवासियों ने उप सरपंच को कई बार समझाया कि वह इस जगह अतिक्रमण न करे, क्योंकि ऐसा करने से आसपास के रहवासियों के साथ ही गांव के लिए भी सामूहिक समस्या उत्पन्न होगी। किंतु उप सरपंच ने समझाइश देने वाले रहवासियों के साथ भी अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। जनपद और ग्राम पंचायत ने इस जगह नाली निर्माण और सीमेंट-कांक्रीट कार्य की मंजूरी ले रखी है, लेकिन शासकीय भूमि हड़पने के लिए उप सरपंच पंचायत को भी कार्य नहीं करने दे रहा था। आखिर मजबूर रहवासियों ने मामले की शिकायत कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार को की। राजस्व दल ने मौका निरीक्षण करके तहसीलदार को रिपोर्ट सौंपी। तहसीलदार ने उप सरपंच को नोटिस जारी किया। उन्होंने स्वयं स्थल निरीक्षण करके उप सरपंच को आगे निर्माण न करने के निर्देश दिए। तहसीलदार के जाने के बाद उप सरपंच ने प्रशासन के आदेश की भी अवहेलना करके निर्माण जारी रखा। दोबारा काम रुकवाने के लिए पटवारी भारतसिंह मंडलोई भी पहुंचे। उप सरपंच ने उनकी भी एक न सुनी और प्रशासन को खुली चुनौती दे डाली। तब शनिवार को तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व अमला बामखल पहुंचा और अतिक्रमण हटाकर शासकीय भूमि को उप सरपंच के अवैध कब्जे से मुक्त कराया। तहसीलदार ने अपनी मौजूदगी में जनपद पंचायत के सब इंजीनियर मोतीराम अलावे से नाली निर्माण की लाइन भी डलवाई। अब ग्राम पंचायत इस जगह नाली निर्माण के साथ ही सीमेंट-कांक्रीट कार्य कर सकेगी। जाए।